भारत-इज़राइल सम्बन्धों में नया क्या है?

शलोम नमस्ते

ISRAEL

समाचार पत्रिका

समाचार एवं सूचना विभाग

अंक संख्या ७, जुलाई २००९

इज़राइल के राजदूत, महामहिम श्री मार्क सोफर का सन्देश

भारत और इज़राइल दोनों में "लोकतन्त्र के नृत्य" का अब समापन हो चुका है और हाल के महीनों में हमारे देशों में सम्पन्न हुए आम चुनावों ने ऐसी सरकारों को जन्म दिया है जो हमारे द्विपक्षीय सम्बन्धों को बढ़ाने में सक्षम हैं, और बढ़ाएंगी। द्विपक्षीय असैनिक व्यापार के अब ४ अरब अमरीकी डॉलर तक पहुँचने के साथ और इस बात की मान्यता कि हम दोनों के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता केवल चार वर्षों के भीतर इस आंकड़े को कई गुना बढ़ा देगा, स्पष्ट रूप से यह हमारे दोनों ही नये नेतृत्वों के लिए एक अनिवार्यता हो गयी है। आई टी और मोबाइल तकनीकों के क्षेत्र में सरकारी और निजी पहलुओं को परिपक्वता प्रदान करने की अनिवार्यता बनी हुई है। जल प्रबंधन के क्षेत्र में इज़राइल की प्रौद्योगिकियों को भारतीय किसानों और उपभोक्ताओं तक पहुँचाने हेतु गतिविधियों की महत्ता भी कुछ कम नहीं है, खासकर चिरकालिक आभाव के इन दिनों में। इज़राइल दूतावास में नए कृषि विशेषज्ञ, श्री आवरी बार जुर, का पदार्पण इन परियोजनाओं को आवश्यक गति प्रदान करेगा। लोकतान्त्रिक आदर्शों और सिद्धान्तों को कभी कम कर के नहीं आंकना चाहिए, नयी सरकारों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती होगी हमारे युद्ध-ग्रस्त क्षेत्रों में शान्ति, सुरक्षा और लोककल्याण में वृद्धि, हमारे अपने समाजों और पड़ोसियों के भले के लिए। दोनों देश इन केन्द्रीय मुद्दों पर अपने संवाद को जारी रखेंगे और अपने अनुभवों को बांटते रहेंगे ताकि हमारे बच्चों के भविष्य में संघर्ष, हिंसा और आतंक का कोई स्थान न रहे।

इज़राइल की ३२ वीं सरकार की शपथ ग्रहण

इज़राइली कनेसेट(संसद) के लिए २००९ के चुनावों के उपरांत, नए प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतनयाहू के नेतृत्व में ३१ मार्च, २००९ को नयी सरकार का गठन किया गया। इस गठबंधन सरकार में कुछ प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं जैसे की लिकुद, इज़राइल बेतिनु, शास, दी लेबर पार्टी, दी ज्यूइश होम और युनाइटेड तोरा जूडाईस्म। मंत्रियों की संख्या के अनुसार, यह देश के इतिहास का सबसे बड़ा मंत्रिमंडल है जिसमें ३० मंत्री और ९ उप मंत्री शामिल हैं।

इज़राइली दूतावास द्वारा इज़राइली स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

नई दिल्ली स्थित इज़राइली दूतावास द्वारा दिल्ली के इम्पीरियल होटल में २८ अप्रैल २००९ को इज़राइली राज्य की स्वतंत्रता की ६१ वीं वर्षगांठ मनायी गयी। इस समारोह में भारतीय समाज के सभी क्षेत्रों के ५०० से अधिक मेहमानों नें हिस्सा लिया - सरकार, शिक्षा, राजनयिक समुदाय, मीडिया, व्यापार समुदाय आदि। इस शाम का मुख्य आकर्षण था "जेरूसलम में स्वर्ग का खोना और पाना" शीर्षक वाला एक अद्वितीय संगीत प्रपठन, जो इज़राइल के चार बहुप्रशंसित संगीतकारों को साथ लेकर आया- प्रोफेसर माइकल मेल्ज़र (इज़राइल में कलात्मक रिकॉर्डर-प्लेयर की सबसे प्रमुख पितातुल्य शख्सियत), सुश्री येल मेल्ज़र-शिम्शोनी (एक अग्रणी रिकॉर्डर प्लेयर और जेरूसलम संगीत और नृत्य अकादमी की लेक्चरर), श्री एडम कोहेन (पर्कशनिस्ट, जो जैज़ और अफ्रीकी संगीत के क्षेत्र में माहिर हैं) और सुश्री शानी कोहेन (गायक), जिन्होंने अपने संगीत में पूर्व और पाश्चात्य का विलय किया और उनके द्वारा पेश किये गए संगीतमय प्रदर्शनों ने श्रोताओं को एक खोये हुए स्वर्ग की यात्रा का निमंत्रण दिया। समारोह के एक हिस्से के रूप में इज़राइली दूतावास द्वारा फ्रान्काई दी डेल्ही के संयोजन में बुधवार, २९ अप्रैल २००९ को एलायंस फ्रान्काई सभागार में इज़राइली संगीतकारों के एक और प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

एक इज़राइली शास्त्रीय संगीत उस्ताद के साथ इन्द्रियों का उत्सव

इज़राइली दूतावास ने नीमराना संगीत फाउंडेशन के सहयोग से गिल शौखात के- इज़राइली पियानोवादक, संगीतकार और कंडक्टर- एक शास्त्रीय संगीत कॉन्सर्ट का मंचन १० मार्च को नई दिल्ली में अशोक होटल के खुले मैदान में और १२ मार्च को कोलकाता में टैगोर केंद्र में किया। दिल्ली के अपने कार्यक्रम के दौरान गिल शोहत ने भारतीय तबला उस्ताद अकरम खान के साथ फ्यूज़न तथा बॉलीवुड का गाना "दिल तो पागल है" पेश किया। "इज़राइली शास्त्रीय संगीत के सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली व्यक्तित्व" के रूप में इज़राइल के तीन प्रमुख अख़बारों द्वारा मान्यता प्राप्त गिल शोखात का भारतीय संगीत प्रेमियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया और मीडिया द्वारा बड़े पैमाने पर कवर किया गया। इज़राइल के जाने माने संगीतकार गिल शोखात को एक वर्ष में दुनियाभर में ८० कार्यक्रम करने का श्रेय जाता है, कंडक्टर और पियानोवादक दोनों रूपों में। गिल शोहत को मिले कई पुरस्कारों और प्रशंसाओं में शामिल है उनके द्वारा २००३ में जीता गया कम्पोजीशन के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार और २००४ में उनको कम्पोज़र ऑफ़ दी इयर घोषित किया गया था। शोहत इज़राइली चैम्बर ऑर्केस्ट्रा के संगीत निर्देशक और मुख्य कंडक्टर हैं।

इज़राइली थियेटर ग्रुप 'सिक थिएटर" द्वारा भारत रंग महोत्सव में प्रदर्शन

इज़राइल थियेटर ग्रुप 'सिक थिएटर कम्पनी' ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के वार्षिक उत्सव "भारत रंग महोत्सव" में भाग लिया । सिक थियेटर ने अपने नाटक "दी डेज़ ऑफ़ एडेल" का प्रदर्शन किया, इसहाक बेनाबू द्वारा निर्देशित, जिसने पहचान के मुद्दों का दो मानसिक रोगियों के पात्रों के माध्यम से चित्रण किया है - एक खंडित मानसिकता वाला फिलिस्तीनी और दूसरा बाध्यकारी विकार वाला एक कट्टरपंथी यहूदी छात्र।

इज़राइली दूतावास, नई दिल्ली द्वारा वीज़ा आवेदन केन्द्र का शुभारंभ

इज़राइली दूतावास ने वीज़ा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नई दिल्ली में एक नई सुविधा की शुरुआत की। वीज़ा आवेदकों को बेहतर सेवा और सहायता प्रदान करने हेतु अपने निरंतर प्रयास के अंतर्गत, इज़राइल के राजदूत, महामहिम श्री मार्क सोफर द्वारा २३ अप्रैल २००९ को वी.ऍफ़.एस इज़राइल, वीज़ा आवेदन केन्द्र, इंटरनेशनल ट्रेड टावर, एस-२ स्तर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली - ११००१९, पर एक नए वीज़ा केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर इज़राइली दूतावास की कौंसल श्रीमती इरित शेनोर ने टिप्पणी की, "यह नयी सुविधा वीज़ा प्रदान करने की प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण सुधार करने के साथ साथ पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान वीज़ा आवेदकों को एक सुविधाजनक और आरामदायक माहौल भी प्रदान करेगी। वीज़ा आवेदन केंद्र(VAC) भारतीय गणराज्य और इज़राइली राज्य के संबंधों और सहयोग को मजबूत करने हेतु एक अतिरिक्त कदम है। "

इज़राइली दूतावास के मिशन के उपप्रमुख का चंडीगढ़ दौरा

श्री एली बेलोतसरकोव्सकी ने १९ और २० मार्च २००९ को केंद्र शासित प्रदेश की अपनी पहली यात्रा की। इस यात्रा का उद्देश्य हरियाणा और पंजाब की सरकारों के साथ संबंधों को मजबूत बनाना था, खासकर कृषि के क्षेत्र में। इसके अतिरिक्त, इन बैठकों ने मीडिया, शिक्षा, व्यापार समुदाय तथा स्थानीय भारत और इज़राइल मैत्री संघ के सदस्यों के बीच एक सीधे संवाद को सक्षम बनाया। सभी सहभागिताओं ने इज़राइल के साथ सहयोग में भारी रुचि की पुष्टि की। हरियाणा के कृषि मंत्री, श्री चाथा, और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीयों के साथ बैठक के दौरान इज़राइल और हरयाणा के बीच विशेष कृषि संबंधों की पुष्टि की गयी। हरियाणा राज्यसभा के माननीय सदस्य डा. राम प्रकाश ने इस अवसर पर शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । इस सम्बन्ध का आधार एक संयुक्त पहल है, हरयाणा में एक आदर्श भारतीय-इज़राइली कृषि फार्म की स्थापना पंजाब के माननीय कृषि मंत्री श्री लूँगा के साथ बैठक में इज़राइल के साथ संबंधों के विकास में भी रूचि व्यक्त की गयी। कार्यावली में शामिल थे- इज़राइल में पंजाबी कृषि विशेषज्ञों का प्रशिक्षण, जैतून की खेती और डेयरी कृषि में सहयोग खासतौर पर उत्साह वर्धक था मैत्री संघ द्वारा गरमजोशी से स्वागत शानदार डिनर और उससे भी अधिक शानदार भाषणों और टोस्ट्स की शोभा स्थानीय सरकार, न्यायपालिका, शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों के अग्रणी सदस्यों द्वारा बढ़ाई गयी। यह हमारे दोनों देशों के बीच मज़बूत संबंधों को दर्शाता है जो न केवल हमारी सरकारों के बीच उत्कृष्ट संबंधों पर आधारित है बल्कि हमारे लोगों के बीच अधिक मज़बूत बुनियादी संबंधों पर।

"एक मज़बूत भविष्य के लिए भारत-इज़राइल सहयोग" - एक सेमिनार

भारत-इज़राइल मैत्री संघ (IIFA) ने, राष्ट्रीय विचारक मंच की छत्रछाया में स्थापित, १८ जनवरी २००९ को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में "भारत-इज़राइल सहयोग एक मज़बूत भविष्य के लिए" शीर्षक से IIFA मीट २००९ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री लाल बहादुर शास्त्री विद्यापीठ, नई दिल्ली के उप कुलपति श्री वाचपति उपाध्य द्वारा की गयी। श्री एली बेलोतसरकोव्सकी, माननीय डेप्युटी चीफ ऑफ़ मिशन, इज़राइली

दूतावास, श्री सुरेन्द्र सिंह, आई.ए.एस (सेवानिवृत्त)पूर्व कैबिनेट सचिव, भारत सरकार, श्री ए. के. मित्रा, आई.पी.एस (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, बी.एस.एफ और श्री आर. के. मिश्रा, क्षेत्रीय प्रमुख, राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम। इस अवसर पर राजदूत मार्क सोफर ने प्रथम IIFA बेन गुरियन पुरस्कार भेंट किये, श्री सुरेन्द्र सिंह को प्रशासन और शासन के लिए, डा. आर ए माशेलकर को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, श्री फिरोज मसानी को कृषि में उत्कृष्टता के लिए और प्रो शैजाफ़ राफेल को शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए। डॉ. एस. पी. सिंह, महासचिव, भारत-इज़राइल मैत्री संघ, जिन्होंने इस अभूतपूर्व कार्यक्रम की व्यवस्था की पहल की, धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि निजी-सार्वजानिक सहयोग में भारत और इज़राइल को साथ लाने का IIFA का जो उद्देश्य है वह दोनों देशों को नयी और अधिक ऊँचाइयों तक ले जायेगा।

"भारत और इज़राइल के समक्ष चुनौतियाँ और सहयोग के क्षेत्र" पर एक सेमिनार

दक्षिण एशिया फोरम के निदेशक श्री अमिताभ त्रिपाठी ने "भारत और इज़राइल के समक्ष चुनौतियाँ और सहयोग के क्षेत्र" पर एक सेमिनार का आयोजन किया जिसमें हर क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया- पत्रकारों से राय निर्माताओं तक और छात्रों से सामाजिक कार्यकर्ताओं तक। इज़राइल के राजदूत, महामहिम श्री मार्क सोफर तथा डेप्युटी चीफ ऑफ़ मिशन श्री एली बेलोतसरकोव्सकी ने दूतावास के प्रतिनिधि के तौर पर इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस सेमिनार का केन्द्रीय आकर्षण था इज़राइली राजदूत महामहिम श्री मार्क सोफर का भाषण जिसमें उन्होंने भारत की जनता को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। डा. सुब्रमनियम स्वामी, जनता पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व कानून मंत्री, भारत सरकार, ने फोरम में बोलते वक्त कहा कि "भारत और इज़राइल स्वाभाविक सहयोगी है क्योंकि इनके बीच किसी भी स्तर पर कोई टकराव नहीं है और अब इन दो देशों के बीच एक रक्षा संधि का वक्त आ गया है। " इस संधि पर और विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत और इज़राइल को संकट के समय एक दूसरे की रक्षा करने के समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए और एक दूसरे के शत्रुओं को दोनों के शत्रु के समान समझना चाहिए। श्री अमिताभ त्रिपाठी ने इज़राइल की सुरक्षा चुनौतियों के विषय में बोला और उन शिक्षाविदों की भर्त्सना की जो इज़राइल की प्रत्येक आत्म-रक्षात्मक कार्यवाही की निंदा करते हैं। अमेरिकी मानवाधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार डॉ. रिचर्ड बेन्किन ने लोगों से कट्टरपंथी इस्लाम के खतरे के खिलाफ खड़े होने के लिए कहा और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के दमन के सवाल को उठाया। अंग्रेज़ी दैनिक "पायनियर" के एसोसिएट संपादक, श्री कंचन गुप्ता ने मध्य पूर्व की राजनीति और इज़राइल के समक्ष सुरक्षा चुनौतियों की चर्चा की। उन्होंने इस विषय पर बोला कि कैसे मध्य पूर्व आत्मघाती बमों का कारखाना बन गया है और यहूदियों के प्रति नफरत को संस्थागत कर दिया गया है जिसने इस्लामी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु धर्म को राजनीतिक विचारधारा से लबरेज कर दिया है।

आर्थिक खबर पर नज़र

प्रथम भारत-इज़राइल एच एल एस सहयोग मञ्च

इज़राइल निर्यात संस्थान के महानिदेशक श्री आवी हेफेत्ज़ के नेतृत्व में मातृभूमि सुरक्षा तकनीकों और उपकरणों के क्षेत्र की अग्रणी कम्पनियों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने मुम्बई (१६ - १७, मार्च, ०९) और नई दिल्ली, (१८ - १९ मार्च, ०९) का दौरा किया। शिष्टमण्डल ने मुम्बई और नई दिल्ली में दो सेमिनार किये और तत्पश्चात निजी रूप से मुलाकातें की। २०० व्यापार सम्बन्धी बैठकें की गयी और कई महत्त्वपूर्ण ठेकों पर हस्ताक्षर किये गए। इज़राइली राजदूत महामहिम मार्क सोफर और एच.सी.एल के अध्यक्ष श्री अजय चौधरी द्वारा नई दिल्ली में इस संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। एच एल एस के क्षेत्र में यह प्रथम इज़राइली प्रतिनिधिमण्डल है और इसके अलावा अन्य कई गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी जिनका ध्येय इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में व्यापारिक समुदायों के सहयोग को मजबूत करना रहेगा।

"एग्रीटेक" १९ वीं कृषि प्रदर्शनी

प्रमुख त्रि-वार्षिक कृषि प्रदर्शनी एग्रीटेक का इज़राइल में १७-१९/०५/२००९ के बीच आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में दुनियाभर से हजारों की संख्या में दर्शकों ने हिस्सा लिया और इसको इज़राइल की उन्नत प्रौद्योगिकीय उपलब्धियों का शोकेस माना जाता है।

भारत ने पिछली तीन प्रदर्शनियों में (२००३, २००६ और २००९) बड़े प्रतिनिधिमण्डलों के साथ भाग लिया है। इस साल भारत से कुछ 300 आगन्तुकों ने भारतीय कृषि मन्त्रालय के एक आधिकारिक प्रतिनिधिमण्डल सहित प्रदर्शनी का दौरा किया।

तीन दिनों के दौरान, आगन्तुकों के लिए उनकी विशेषता के क्षेत्र के अनुसार प्रोफेशनल यात्राओं का आयोजन किया गया।

आर्थिक विभाग की अतिरिक्त गतिविधियाँ

११-१६/६---- सेलुलर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की १० कम्पनियों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने नई दिल्ली की यात्रा की और कई ऑपरेटरों, प्रणाली इंटीग्रेटरों और विक्रेताओं के साथ मुलाकात की।

२-३/७---- आई टी एवं सॉफ्टवेयर क्षेत्र से १४ कम्पनियों ने प्रमुख आई टी कम्पनियों और सिस्टम इंटीग्रेटरों के साथ व्यापार बैठकें की। इस यात्रा को नैसकॉम के सहयोग से आयोजित किया गया।

१-६/९---- १० इज़राइली दूरसंचार कम्पनियों सेमिनारों की एक श्रृंखला और निजी मुलाकातों के लिए भारत का दौरा करेंगी।

१७-१९/११ ---- एक भारतीय प्रतिनिधिमण्डल वाटेक प्रदर्शनी और सम्मेलन के लिए इज़राइल की यात्रा करेगा, यह प्रदर्शनी इज़राइल की जल प्रौद्योगिकियों को उजागर करती है।

"इज़राइल में निवेश करें" समाचार

लूकीस - भारतीय भाषा का प्रथम व्यापक आभासी कीबोर्ड:

इज़राइली कम्पनी ऍफ़. टी. के. भारत में अपना क्रान्तिकारी आभासी कीबोर्ड लेकर आयी है जो कई भारतीय भाषाओं में वेब को सर्फ़ करना, ईमेल भेजना, चाट करना और दस्तावेजों के निर्माण को सम्भव बनाता है। इस प्रकार अब भारत के करोड़ों लोगों के लिए कम्प्यूटर सीखने और उस पर काम करने हेतु अंग्रेजी भाषा का ज्ञान एक बाधा नहीं बनेगा।

पेटेंट भाषाई भविष्यवाणी एल्गोरिदम पर आधारित, लूकीस प्रदान करता है एक दोस्ताना, भारतीय भाषा वर्ड प्रोसेसर, एक आभासी कीबोर्ड के साथ। इस आभासी कीबोर्ड में ३००० भिन्न अक्षर और संयोजन शामिल हैं। यह गतिशील आभासी कीबोर्ड लेआउट हाल के चुनावों के प्रति प्रतिक्रिया करता है, और भारतीय भाषाओं का प्रथम व्यापक डाटा एन्ट्री टूल प्रदान करता है। लूकीस के व्यावसायिक संस्करण के लिए एक वेबकैम के उपयोग की आवश्यकता पड़ती है। लूकीस प्रो वास्तविक समय में उपयोगकर्ता के हाथों का पता लगाने के लिए अत्याधुनिक छवि प्रसंस्करण एल्गोरिदम का उपयोग करता है। लूकीस प्रो के साथ, उपयोगकर्ता सिम्युलेटेड आभासी हाथ के प्रयोग द्वारा डाटा एन्ट्री करता है।

इज़राइल ने विदेशी निवेशकों को निजी इक्विटी कर से मुक्ति प्रदान की:

वैश्विक पूंजी के एक बड़े हिस्से को इज़राइल में आकर्षित करने हेतु, वित्त मंत्रालय ने हाल में घोषणा की, कि विदेशी निवेशकों को निजी इक्विटी फंड में निवेश पर कर में छूट मिलेगी।

विदेशी निवेशकों को वर्तमान में निजी इक्विटी फंड के लाभ में किये गए निजी निवेश पर १५% और कम्पनियों के लिए २५ % कर का भुगतान करना होता है। इस बात के मद्देनजर कि वेंचर कैपिटल फंड्स में पहले से प्रदीप्त कर छूट ने इन फंड्स में भारी विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया, मंत्रालय ने कहा कि वह निजी इक्विटी निवेश में भी समान प्रतिक्रिया की उम्मीद करती है।

वर्तमान में १० निजी इक्विटी फंड इज़राइल में मौजूद हैं जिनका संयुक्त निवेश लगभग २.५ अरब डॉलर है।

ई आई यू रिपोर्ट के अनुसार इज़राइल ९ वां सर्वाधिक नवप्रवर्तनशील देश है

इकोनोमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट रिपोर्ट की अपडेटेड रैंकिंग के अनुसार इज़राइल २००८ में दुनिया का ९ वां सर्वाधिक नवप्रवर्तनशील देश था, और ऐसा पूर्वानुमान लगाया जा रहा है कि २००९ से २०१३ के बीच किसी समय यह ८ वां स्थान प्राप्त कर लेगा।

नवप्रवर्तन सूचकांक ८२ देशों को उनकी नवप्रवर्तन क्षमता के आधार पर रैंक करता है और २०१३ तक उनके प्रदर्शन का पूर्वानुमान लगता है। नई रैंकिंग ज्यादातर २००७ में किये गए मूल अनुसन्धान की ही पुष्टि करती है। २००९- १३ के पूर्वानुमान ने गंभीर व्यापारिक तथा वैश्विक आर्थिक संकट को ध्यान में रखा है, जिनका देशों की दीर्घकालिक नवप्रवर्तन क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव होगा।

हाल का डाटा यह दर्शाता है कि इज़राइली नवप्रवर्तन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के सतत प्रवाह के कारण निरंतर वृद्धि हो रही है, और यह निवेश २००८ में १० अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गया था। इज़राइली बाजार का दुनिया की सफलतम कम्पनियों के लिए सबसे पसंदीदा स्थल होना जारी है। इज़राइली मीडिया के अनुसार अकेले जून २००९ में,अन्य के आलावा, इनके द्वारा दौरा करने की उम्मीद है, हेवलेट पैकर्ड के सी.ई.ओ मार्क हर्ड, ओराकल के अध्यक्ष और सी.एफ.ओ सफरा कात्ज़, डेल के सी.ई.ओ और संस्थापक माइकल डेल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य सॉफ़्टवेयर आर्किटेक्ट रे ओज़ी।

आई.एम.डी तनाव परीक्षण में इज़राइल का २० वा□स्थान है:

("तनाव परीक्षण" का लक्ष्य इस बात का परिक्षण करना है कि कैसे "देश विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हैं और तूफानों से लड़ने के लिए कितना लचीलापन दर्शाते हैं। ")

प्रबन्धन विकास के लिए अन्तरराष्ट्रीय संस्थान (आई.एम.डी) जिसका मुख्यालय लॉज़ेन, स्विटज़रलेंड में है, ने अपनी आईएमडी विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता सालाना किताब २००९ में एक "तनाव परीक्षण" को जोड़ा है, देशों पर वैश्विक वित्तीय संकट के प्रभाव के मद्देनजर। इस साल के मूल्यांकन में, इज़राइल २० वें स्थान के साथ जापान (२६)वें, अमेरिका (२८)वें, और ब्रिटेन (34) वें से आगे रहा।

"तनाव परीक्षण" का लक्ष्य इस बात का परिक्षण करना है कि कैसे "देश विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हैं और तूफानों से लड़ने के लिए कितना लचीलापन दर्शाते है। "

आई.एम.डी विश्व प्रतिस्पर्धात्मकता केंद्र के निदेशक स्टेफेन गारेली के अनुसार "तनाव परिक्षण यह दर्शाता है कि छोटे देश जो कि निर्यात परक और लचीले हैं तथा जिनका सामाजिक-राजनैतिक वातावरण स्थिर है, वे बहाली(रिकवरी) का तुरन्त फायदा उठाने के लिए ज्यादा अच्छी तरह सुसज्जित हैं।

आई.एम.डी प्रतिस्पर्धा का अंकन करने के लिए चार श्रेणियों में विभाजित ३२९ घटकों का विश्लेषण करता है। वे चार श्रेणिया□ हैं- आर्थिक सुदृढ़ता, सरकारी दक्षता, व्यापार, तथा आधारभूत सुविधाएँ। इस अंकन के अनुसार ५७ देशों में इज़राइल का स्थान २४ वा□था।

हम तक पहुँचना आसान है

टेलीफोन	**फैक्स**	**ईमेल**
३०४१४५००	३०४१४५५५	press@newdelhi.mfa.gov.il

visit us at: http://delhi.mfa.gov.il ; www. namasteisrael. com